विकलांग मंच

विकलांग समुदाय का मार्गदर्शक पाक्षिक

वर्ष : 29 अंक: 17	जयपुर 1 मार्च, 2015	RNI No.: 46429/86 Po.Regn.No.:Jaipur City/207/2015-17	वार्षिक शुल्क: 50/- प्रति मूल्य: 2.50

विकलांग मंच के आजीवन/वार्षिक सदस्य बनें एवं दूसरों को भी इसके सदस्य बनने की प्रेरणा दें

विकलांग मंच

8/141, मालवीय नगर, जयपुर-302017

फोन:0141-2547156, 9351960369,9352320013, फैक्स:0141-4036350

E-Mail:vicklangmanch@ymail.com E-Mail:vicklangmanch@gmail.com

अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर खेलों में छाप छोड़ने वाले

13 विशिष्ट खिलाड़ियों का सम्मान

उदयपुर। नारायण सेवा संस्थान के सेवा महातीर्थ, बड़ी परिसर में रविवार को एशियन पेरा गेम तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपना व देश का नाम गौरवान्वित करने वाले 13 विशिष्ट योग्यजन (विकलांग) खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया, इनमें दो अर्जुन अवार्डी भी शामिल है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने कहा कि हम लोग शारीरिक रूप से फीट खिलाड़ियों का सम्मान तो करते ही हैं लेकिन शारीरिक रूप से अक्षम होने के बावजूद जिन खिलाड़ियों ने अन्तर्राष्ट्रीय खेलों में भाग लेकर स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीत कर देश का मान बढ़ाया है, उन्हें सम्मानित कर आज हम स्वयं गौरवान्वित है। समारोह का शुभारम्भ दीप प्रज्जवलन व गायत्री मंत्र तथा नवकार मंत्र के साथ हुआ। संस्थान संस्थापक चेयरमैन पद्मश्री कैलाश 'मानव' ने अतिथियों व खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए कहा कि संस्थान आज विशिष्ट योग्यजन खिलाड़ियों को सम्मानित कर अपने को धन्य अनुभव करता है। संस्थान अध्यक्ष प्रशान्त अग्रवाल ने संस्थान की 30 वर्षीय सेवा यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि यहां न केवल नि:शक्तजन की चिकित्सा और सर्वांग सेवा हो रही है बल्कि उनके आत्म विश्वास और आत्म सम्मान को बढ़ाने का काम भी किया जा रहा है। समारोह के विशिष्ट अतिथि विष्णु शर्मा पुलिस अधीक्षक दूरसंचार विभाग, जयपुर, श्रीमती चन्द्रकान्ता पटेल, श्रीमती शारदा बेन पटेल-अमेरिका, एस.आर.मौर्य-गुजरात, अनिल शर्मा व प्रेम सागर गुप्ता-मुम्बई थे। समारोह में संस्थान के ट्रस्टी निदेशक देवेन्द्र चौबीसा व श्रीमती वंदना अग्रवाल ने खिलाड़ियों व अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में इन खिलाड़ियों की साऊथ कोरिया एशियन पेरा गेम में उपलब्धियों को भी डॉक्यूमेंट्री फिल्म के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। संचालन महिम जैन व दीपक मेनारिया ने किया।

इन खिलाड़ियों का हुआ सम्मान अमित कुमार ऐथेलिट (अर्जुन अवार्ड) सोनीपत, श्रीमती पारूल दलसुख परमार बेडमिन्टन (अर्जुन अवार्ड) गुजरात, श्रीमती दीपा मलिक ऐथेलिट-जैवलिन थ्रो (रजत पदक) सोनीपत, श्रीमती प्रियंका अन्नासाहिब घुमरे जूडो (कांस्य पदक) मुम्बई, जयदीप हरदया सिंह जूडों (कांस्य पदक) मुम्बई, रमेश कुमार जूडो (कांस्य पदक) गुड़गांव, राज कुमार बेडमिंटन (रजत पदक) पटीयाला, तरूण ढिल्लों बेडमिंटन (रजत पदक) दिल्ली, राकेश पाण्डेय बेडमिंटन (रजत पदक) दिल्ली, कर्मपाल सिंह जूडो (कांस्य पदक), निरंजन मुकन्दन तैराकी (कांस्य पदक) बैंगलूरू, भारत भाटिया स्नो शोइंग (स्वर्ण पदक) राजस्थान, महेश नेहरा (रजत पदक) राजस्थान।

मेगा जॉब फेयर में 85 विशेष योग्यजनों को नौकरी मिली

1200 विशेष योग्यजनों का किया पंजीयन

जयपुर। विशेष योग्यजन निदेशालय एवं विकल्प आउट सोर्सिंग सर्विसेज सहित 6 कम्पनियों के सहयोग से सूचना केन्द्र में मेगाजॉब फेयर आयोजित किया गया। मेगा जॉब फेयर में 85 विशेष योग्यजनों को नौकरी ज्वाइन करने के लिए मौके पर ही ऑफर लेटर दिया गया। इनके अलावा 30 विशेष योग्यजनों का दुबारा साक्षात्कार लेकर चयन करने की प्रकिया अपनाई जायेगी। इसी तरह मेगा जॉब फेयर में आये 1200 विशेष योग्यजनों का पंजीयन भी किया गया ।

प्रारंभ में विशेष योग्यजन निदेशक अम्बरीष कुमार ने फीता काटकर व दीप प्रज्ज्वलित कर मेगा जॉब फेयर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने विशेष योग्यजनों को सम्बोधित करते हुए कहा कि सरकार का प्रयास है कि विशेष योग्यजनों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्राईवेट कम्पनियों का सहयोग लेकर रोजगार मुहैया कराया जाये। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि सभी विशेष योग्यजन सम्मान पूर्वक अपना जीवन जी सकें ।

इस अवसर पर अम्बरीष कुमार ने विशेष योग्यजन शंकरलाल, रामरतन, राजेन्द्र सिंह सहित 6 लोगों को नौकरी का ऑफर लेटर प्रदान किये। उन्होंने मेगा जॉब फेयर में विभिन्न कम्पनियों द्वारा लगाई गयी स्टालों का भी निरीक्षण किया एवं उनके द्वारा इस क्षेत्र में किये जा रहे प्रयासों की जानकारी प्राप्त की। विकल्प आाउटसोर्सिंग सर्विस के स्टेट हैड मोहित अंबानी ने मेगा जॉब फेयर में आये विकलांगों को रोजगार पाने के विभिन्न तौर तरीके को जानकारी दी।

मेगा जॉब फेयर में विकलांग व्यावसायिक पुनर्वास केन्द्र जयपुर द्वारा भी स्टाल लगाकर विशेष योग्यजनों को व्यावसायिक प्रशिक्षण दिये जाने की जानकारी दी।

इस अवसर पर अतिरिक्त निदेशक विशेष योग्यजन नवरतन कोली की देखरेख में विशेष योग्यजनों को सूचना केन्द्र के सभागार में लाने के लिये व्हील चेयर की व्यवस्था की गई। मेगा जॉब फेयर में नमस्ते आपका हेल्थकेयर, तिरंगा द सनीर, कोसमॉस एवं फ्रेन्वाइज इंडिया ने भी भाग लेकर विशेष योग्यजनों को रोजगार हेतु मार्गदर्शन दिया।

अनुराधा पारीक निर्वाचित हुई पंचायत समिति सदस्य

बीकानेर। जिला विकलांग अधिकार मंच की बैठक उरमूल ट्रस्ट कार्यालय में रखी गई। विकलांग अधिकार मंच की अध्यक्ष अनुराधा पारीक का मंच की ओर से सम्मान किया गया। ज्ञात रहे कि पंचायती राज चुनाव में अनुराधा पारीक बीकानेर पंचायत समिति के वार्ड नम्बर 9 से पंचायत समिति सदस्य के रूप में भारी मतो से जीत हासिल की थी।

जिला विकलांग अधिकार मंच की अध्यक्ष और पंचायत समिति सदस्य बीकानेर की अनुराधा पारीक ने विकलांगों को सम्बोधित करते हुऐ कहा की ये जीत विकलांगों की जीत है उरमूल ट्रस्ट के पदाधिकारीयों का आभार व्यक्त करते हुऐ कहा की संस्था के द्वारा जो वंचित व विकलांगों के लिए काम करने का मौका दिया और निरन्तर तीन साल से गावों के लोगों के जुड़ाव से ही मुझे आत्मबल मिला है सरकार से बाहर से समस्याओं को लेकर काफी संघर्ष किया कुछ सफलता भी मिली परन्तु सरकार के अन्दर जाकर आवाज को और बुलन्द करने की आवश्यकता थी और जनता ने मुझे जो मौका दिया है निश्चित रूप से बीकानेर जिले के विकलांगों के लिए संघर्ष करूंगी और जो भी जनप्रतिनिधि विकलांग जीतकर आये उनको भी विकलांग मंच से जोड़कर वंचित व पिछडे लोगों के लिए काम करूगी सभी का आभार।

सचिव अरविन्द्र औझा ने बधाई देते हुए कहा कि अनुराधा ने गावों के वंचित लोगों के साथ सरकार की योजनाओं को गांव के लोगों को लाभ दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और निरन्तर गांव के वंचित व पिछड़ें लोगों से जुडी होने के कारण जनता ने चुन कर सरकार के साथ काम करने का मौका दिया है, निश्चित रूप से विकलांगों का चुनाव में आना लाभदायक है, अब सरकार तक बात पहुचाने का अच्छा मौका जनता ने दिया है। जिसका हम सब विकलांगों को साथ लेकर विकलांगों के हक की लड़ाई को आगे बढाना है। विकलांग अधिकार मंच के उपाध्यक्ष शंकर लाल सासी गाढ़वाला ने बधाई देते हुए कहा की अब हम ज्यादा संघर्ष करने की जरूरत नहीं होगी हमारी आवाज को पहुंचाने के लिए बीकानेर से काफी विकलांग चुनाव जीत कर आये है, सबको बधाई।

विचार मंच

खैर, खून, खाँसी, खुसी, बैर, प्रीति, मदपान।
रहिमन दाबे न दबै, जानत सकल जहान॥4॥

अर्थः दुनिया जानती है कि खैरियत, खून, खांसी, खुशी, दुश्मनी, प्रेम और मदिरा का नशा छुपाए नहीं छुपता है। **-रहीम जी**

अधिकारों की रक्षा का सवाल

बीते दिनों केन्द्र सरकार के 15000 से ज्यादा विकलांग कर्मचारियों के संबंध में सरकार ने आदेश जारी कर कहा कि तबादलों, तैनाती और आवासीय सुविधा के मामलों में इनकी जरूरतों को प्राथमिकता दी जाए। केन्द्र सरकार की सेवा में 15747 कर्मचारी नेत्रहीनता, बधिरता या अन्य किसी न किसी शारीरिक विकलांगता का शिकार हैं। इससे पहले सरकार कह चुकी है कि कोई भी एयरलाइंस ऐसे किसी व्यक्ति को अपने साथ ले जाने से मना नहीं कर सकती जो शारीरिक रूप से अक्षम है। अशक्त व्यक्तियों के प्रति यह मानवीय दृष्टिकोण स्वागत योग्य है। ताजा आंकड़े बताते हैं कि अपने यहां आठ श्रेणियों के ऐसे अशक्त लोगों की आबादी 2.68 करोड़ पार चुकी है। चिंता का विषय यह है कि पिछले दस वर्षों में ऐसे लोगों की आबादी में करीब 49 लाख का इजाफा हुआ है अर्थात दशकीय वृद्धि दर 22 प्रतिशत रही है जो आबादी बढ़ने की रफ्तार से करीब छह प्रतिशत अधिक है। स्वाभाविक तौर पर अशक्त लोगों के अधिकारों और उनके प्रति मानवीय दृष्टिकोण रखते हुए उन्हें देश की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए नीतियों और रीतियों की आवश्यकता है। भारत में अब तक विकलांगता को चिकित्सकीय मॉडल के संदर्भ में देखा समझा जाता रहा है अर्थात यह सोच विकलांगता को शारीरिक अथवा मानसिक हानि या क्षति के समकक्ष रख देती है लेकिन बदलते समय में उसके सामाजिक मॉडल पर जोर देने की आवश्यकता है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र के राइट्स ऑफ पर्सन्स विद डिसेबिलिटीज (सीआरपीडी) कन्वेंशन में कही गई बातों को 2007 में अंगीकार किया। पूर्व में विकलांग व्यक्तियों के लिए बने अधिनियम 1955 को संयुक्त राष्ट्र द्वारा पारित कन्वेंशन, जिस पर मई 2008 में अमल शुरू हुआ के अनुरूप बदलने को कहा गया। विकलांगों के अधिकारों की पैरवी करने वाला संयुक्त राष्ट्र विकलांगता समझौता विश्वव्यापी मानवताधिकार समझौता है। यह समझौता विकलांगों को अपेक्षित मानवाधिकार ही नहीं देता बल्कि इस बात को भी स्पष्ट करता है कि उनके अधिकार वही हैं जो किसी सामान्य व्यक्ति के हैं। यह तमाम देशों की सरकारों को बताता है कि इनके मार्ग की बाधाओं को किस प्रकार दूर किया जाना चाहिए और किस प्रकार यह सुनिश्चित करना चाहिए कि विकलांग लोगों को उनके अधिकार प्राप्त हों। कुछ समय पूर्व उच्चतम न्यायालय की एक जनहित याचिका के संदर्भ में, तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश के जी बालकृष्णन, न्यायमूर्ति पी सदाशिवम और न्यायमूर्ति बीएस चौहान की पीठ के सामने इसका खुलासा हुआ था कि विकलांग व्यक्तियों के लाभ के लिए बने ट्रस्ट और उसमें एकत्रित राशि का सदुपयोग नहीं हुआ। अदालत ने स्वीकारा कि न्यायालय के प्रगतिशील रुख एवं सरकार द्वारा की गई पहल के बावजूद विकलांग अधिनियम का अमल कतई संतोषजनक नहीं हैं। यूं तो राइट्स ऑफ पर्सन्स विद डिसेबिलिटीज बिल को दिसम्बर 2013 में मंत्रिमंडल की मंजूरी मिली परन्तु उसके पश्चात विभिन्न व्यवधानों के चलते वह कानूनी जामा नहीं पहन पाया। यह बिल इस दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है कि इसमें विकलांगजन की समानताए गरिमा और सम्मान के साथ जीवन व्यतीत कर सकने की बात कही गई है और विकलांगों को बराबरी के स्तर पर रहते हुए शिक्षा पाने का अधिकार सवरेपरि उल्लेखित है। उल्लेखनीय है कि शिक्षा द्वारा ही व्यक्ति अपनी हर अक्षमताओं पर विजय प्राप्त कर सकता है और जब बात अशक्त बच्चों की हो तो यह कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। मई 2013 में यूनिसेफ की वार्षिक स्टेट ऑफ द वर्ल्डस चिल्ड्रन रिपोर्ट के अनुसार विकलांग बच्चे को समविष्ट करना उनको और उनके समुदाय दोनों को लाभ दे सकता है। रिपोर्ट कहती है कि जब आप विकलांगता को बच्चे से पहले देखते हैं तो यह बच्चे के लिए ही गलत नहीं बल्कि बच्चे को जो समाज पेश कर रहे हैं उसके लिए भी गलत है।

यह बेहद दु:ख की बात है कि देश में शिक्षा का अधिकार कानून लागू होने के बावजूद अब भी सरकारी और गैर-सरकारी स्कूलों के मध्य इस बात को लेकर विवाद कायम है कि अशक्त बच्चों को शिक्षा तभी दे सकते हैं जब उन्हें कुछ जरूरी सुविधाएं मुहैया करवाई जाएं। विशेष बच्चों को मुख्यधारा में शामिल करने की पहल एक जनहित याचिका से शुरू हुई। 16 सितम्बर 2009 को उच्च न्यायालय ने राजधानी के सभी सरकारी एवं स्थायी निकायों के स्कूलों में विशेष श्रेणी के इन बच्चों को उपयुक्त शिक्षा देने के लिए छह माह के भीतर कम से कम दो विशेष प्रशिक्षित शिक्षक नियुक्त करने को कहा लेकिन इन आदेशों की पालना नहीं हुई। नवम्बर 2011 में पहले दिल्ली सरकार और बाद में नगर निगम ने भी अपने स्कूलों के लिए, वर्तमान में एक-एक विशेष शिक्षक नियुक्त किये जाने की प्रक्रिया शुरू की थी। फिलहाल करीब चालीस कम्पनियां विकलांग लोगों को नौकरियां दे रही हैं। गैर-सरकारी संस्थाओं द्वारा ऐसी पहलए विकलांगों के लिए एक ऐसी दुनिया निर्मित कर सकती है जहां वह स्वाभिमान के साथ अपना जीवनयापन कर सकें। हमे स्वयं समझना होगा कि अशक्तजन, देश की मुख्यधारा का ही हिस्सा हैं। उन्हें सहयोग और सानिध्य की आवश्यकता है न कि दया की।

प्रस्तावित नि:शक्तजनों के अधिकार विधेयक 2014 पर

कमियों और मांगों पर 11 सूत्री सुझाव

जयपुर के आर टी आई कार्यकर्ता शरद त्रिपाठी ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की नि:शक्तजनों के विषय में बनी स्थायी समिति एवं माननीय सांसदों से प्रस्तावित नि:शक्तजनों के अधिकार विधेयक 2014 पर रही कुछ कमियों और मांगों पर ध्यान आकृष्ट करते हुए एक 11 सूत्री सुझाव पत्र अग्रेशित किया है जिसे हम जागरूक पाठकों के लिए यहां प्रकाशित कर रहे हैं। - **संपादक**

नि:शक्तजनों के विषय में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग संबंधी लोकसभा की स्थायी समिति द्वारा नि:शक्तजनों के अधिकार विधेयक 2014 पर नि:शक्तजनों द्वारा चर्चा पश्चात् निम्नलिखित सुझाव व मांगें स्थायी समिति के विचारार्थ व लोकसभा सदस्यों हेतु प्रस्तुत हैं

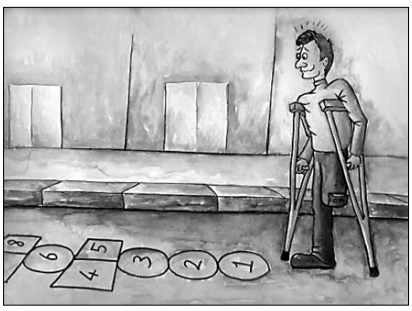

1. विधेयक में कई बड़ी-बड़ी खामियाँ और पूरे ही विधेयक को पुन: लिखने की आवश्यकता हैं ।

2. इस विधेयक के साथ-साथ केन्द्र सरकार से अपील हैं कि वे साथ ही सार्वभौमिक नियम पूरे देश हेतु विनियमित करें । नियम बनाने की प्रक्रिया राज्यों को देना नि:शक्तजनों को मंजूर नहीं हैं क्योंकि राज्य अधिनियम व संयुक्त राष्ट्र की संधि के अनुसार नियम बनाने का कार्य नहीं कर पाएँगें और आत्मबल की कमी के कारण राज्य सरकारों द्वारा अधिनियम की पालना में बनाए जाने वाले नियम समय पर नहीं बन पातें हैं और आधे अधूरे ही बनतें हैं। जैसा कि राजस्थान के संबंध में देखा जा सकता है।

1995 के पश्चात् 2011 में नियम आधे अधूरे ही बनाए गए। संयुक्त राष्ट्र की संधि को लागू करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 253 के अनुसार राज्य को किसी भी विषय पर अधिनियम व नियम बनाने के अधिकार प्राप्त है। अत: नि:शक्तजनों के अधिकार संबंधी विधेयक को भी संसद द्वारा सार्वभौमिक नियमों सहित पूरे देश में एक साथ अधिनियमित व विनियमित कर दिया जावें ।

3. नि:शक्तजन विधेयक 2014 के अनुसार नि:शक्तजन आयोग को इस विधेयक की पालना कराने हेतु उपयोगी व सुयोग्य शक्तियाँ प्रदान नहीं की गई हैं अत: हम चाहते हैं कि राष्ट्रीय व राज्य आयोगों को स्वयं की निरीक्षण शाखा रखने, वित्तीय स्वायत्तता, दण्डकारी, उच्चतर शक्तियों का अधिकार दिया जावे, साथ ही आयोग के अध्यक्ष व सदस्यों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जावें ।

4. इस विधेयक व अधिनियम योग्य तथ्यों की पालना करानें हेतु संख्त सजाओं का प्रावधान किया जावें तथा उक्त विधेयक की धारा 107 में विहित प्रावधान जिससे कि सरकारी कर्मचारियों को सीधे अनुरक्षण प्राप्त हैं और निरीक्षणकर्त्ता को उससे संबंधित विभाग से पूर्व अनुमति लेने की आवश्यकता होगी । अत: हमारा मत स्पष्ट है कि इस प्रावधान को पूर्णतया हटाया जाना चाहिए और उक्त विधेयक या अधिनियम की अवेहलना करने पर किसी भी सरकारी अधिकारी या कर्मचारी को किसी भी प्रकार का अनुरक्षण या संरक्षण प्राप्त नहीं होना चाहिए और उसे विदित जाँच में सहयोग करना ही होगा ।

5. राष्ट्रीय व राज्य स्तर के एडवाइजरी बोर्ड में विधेयकानुसार नौकरशाहों की बहुलता हैं अत: इसमें से नौकरसाहों को हटाकर तकनीकी व विकलांगता में अनुभव करने वाले व नेशनल इम्पोर्टेन्स के संस्थानों के वैज्ञानिकों, समाज वैज्ञानिकों व शोधार्तियों का प्रतिनिधित्व बहुलता में हो और नौकरशाह इन एडवाइजरी बोर्ड द्वारा तैयार मार्गनिर्देशों व एक्शन प्लान की अनुपालना सुनिश्चिज करें ।

6. विधेयक के अनुसार नि:शक्तजनों को पाँच प्रतिशत का आरक्षण सरकारी नौकरियों व संस्थानों में दिया गया हैं जो कि अनुपयोगी है इसे बढ़ाकर 19 प्रतिशत कर दिया जाना चाहिए और ऐसा करने के पक्ष में तथ्य हैं

(ए) नि:शक्तजनों को दिया जाने वाला आरक्षण हैं । अत: इसका प्रभाव किसी अन्य वर्ग पर नकारात्मक नहीं होगा।

(ब) इस विधेयक में 19 प्रकार की विकलांगताओं को चिन्हित किया गया हैं और सभी एक दूसरे से बिल्कुल भिन्न है। अत: सभी प्रकार की विकलांगताओं को न्यूनतम एक प्रतिशत आरक्षण देना आवश्यक हैं ।

(स) जनगणना 2011 विसंगतिपूर्ण है जिसमें नि:शक्तजनों की गणना करते समय सभी 19 प्रकार की विकलांगताओं को जनगणना में शामिल नहीं किया गया था और प्रश्न संख्या 9 भी जनगणनाकर्मियों द्वारा नहीं पूछा गया। अत: नि:शक्तजनों की सही संख्या देश में नहीं बताई जा सकती हैं। उदाहरण के लिए विकसित देशों ऑस्ट्रेलिया व अमेरिका में नि:शक्तजनों का कुल जनसंख्या में प्रतिशत क्रमश 18 व 16 प्रतिशत है। अत: अन्दाजा लगाया जा सकता हैं कि विकासशील देश भारत जहाँ 70 प्रतिशत आबादी, गरीब है और अधिकांशत कुपोषण की शिकार हैं वहाँ नि:शक्तजनों की संख्या कितनी होगी।

7. जिला नियोजन कमिटी में नि:शक्तजनों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाए ।

8. राष्ट्रीय व राज्य आयोंगों में अध्यक्ष व सदस्यों के पद के पद तीन माह से अधिक रिक्त न रहें और किसी अध्यक्ष व सदस्य के कार्यकाल पूरा होने से पहले ही नए अध्यक्ष व सदस्य की भर्ती प्रक्रिया पूर्ण कर ली जाए और सेवा के प्रमुख पदों पर भर्ती के समान ही प्रक्रिया अपनाई जाए ।

9. नि:शक्तजनों के लिए चलाई जाने वाली योजनाओं सुविधाओं फायदों और उनके अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए राज्य व केन्द्र सरकार की आर्थिक क्षमता का विषय गौण रहना चाहिए और इस वर्ग के प्रति राज्य अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने में आर्थिक बाधा प्रस्तुत नहीं करेगी और यदि ऐसा होता है तो ऐसे प्रावधान किए जाएँ जो कि निम्नलिखित हैं -

(ए) सभी जनप्रतिनिधि और लोकसेवक अपने वेतन का एक माह का वेतन नि:शक्तजनों कें हेतु बनाए गए कोष में जमा कराएंगें ।

(ब) संसद व विधानसभा नि:शक्तजनों के कल्याण हेतु नए टैक्स अधिरोपित करने का प्रावधान करें ।

10. नि:शक्तजनों को दिया जाने वाला आरक्षण सभी शैक्षणिक व कार्यकारी संस्थानों, कार्यालयों, विभागों, मंत्रालयों, प्रतिष्ठानों, कम्पनियों (निजी व सार्वजनिक) में सुनिश्चित किया जाए ।

11. उक्त विधेयक में राजनीतिक भागीदारी का प्रावधान नहीं किया गया है और यह ता संविधान विशेषज्ञों को तय करना है परन्तु नि:शक्तजनों को राजनीतिक भागीदारी देने हेतु व संयुक्त राष्ट्र की संधि के प्रावधानों के अनुसार नि:शक्तजनों का राजनीतिक भागीदारी के लिए संविधान संशोधन प्रस्तावित करना होगा जिससे कि लोकसभा, राज्यसभा, विधानसभा व नगर निकायों में नि:शक्तजन जनप्रतिनिधित्व कर सकें। **-शरद त्रिपाठी**

विकलांग मंच कार्यालय: प्लाट नं. 141, सेक्टर-8, मालवीय नगर, जयपुर-302017, फोन:0141-2547156. फोटो टाइपसेटिंग: टास्क ग्राफिक्स (मोबा.:9828278728)। मुद्रित: श्रीराम आफसेट, जोरावरसिंह गेट बाहर, आमेर रोड, जयपुर। संरक्षक: डी.आर.मेहता (रिटा.आई.ए.एस.)। प्रधान संपादक: एम.आर.सिंघवी (रिटा.आई.आई.एस.)। प्रकाशक मुद्रक एवं सम्पादक: एन. के.खत्री। संपादकीय सलाहकार:डॉ. अरुण माथुर। हाडोती अंचल ब्यूरो प्रमुख: अर्जुन देव चढ्डा, कोटा। प्रबन्धक : धर्मपाल।

आशादीप संस्थान ने कुष्ठाश्रम में सामग्री भेंट की

जयपुर। आशादीप संस्थान के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने हाल ही यहां गलता स्थित कुष्ठाश्रम में वस्त्र, बिस्किट व अन्य उपयोगी सामग्री भेंट की। इस अवसर पर आशादीप संस्थान के संयुक्त सचिव गोरव खत्री, भूपेन्द्र खन्ना, पीयूष खन्ना, पुनीत बहल, धर्मपाल आदि सदस्यों ने कुष्ठाश्रम में आवासियों से मिलकर हाल जाने और उन्हें वस्त्र, बिस्किट व अन्य उपयोगी सामग्री सादर भेंट की। कुष्ठाश्रम के अध्यक्ष सुरेश कौल ने आशादीप संस्थान के पदाधिकारियों का सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

कालकाजी मंदिर ने की चढ़ावे के फूलों से बायोगैस बनाने की पहल

नयी दिल्ली। भक्तों द्वारा आस्था पूर्वक चढ़ाये जाने वाले फूलों को कूड़े की तरह फेंकने से बचाने के लिए दिल्ली के कालकाजी मंदिर ने सुयोजन नामक संस्था के साथ मिलकर उससे उपयोगी बायोगैस और उर्वरक बनाने की अनोखी पहल शुरू की है। मंदिर परिसर में रोजाना सैकड़ों किलोग्राम फूल चढ़ाया जाता है।

शनिवार और रविवार के दिन तो इसकी माता डेढ़ से दो क्विंटल के बीच होती है। मंदिर के महंत सुरेंद्र नाथ अवधूत ने बताया कि फिलहाल मॉडल के तौर पर एक हजार लीटर की एक टंकी लगायी गयी है जिसमें अधिकतम पाँच किलोग्राम फूल रोजाना डालकर गैस बनायी जा सकती है। पिछले पाँच-छह महीने से इस पर काम चल रहा था और अब सफलतापूर्वक बायोगैस का उत्पादन शुरू हो गया है। साथ ही इससे निकलने वाला तरल अपशिष्ट खाद के रूप में खेतों में इस्तेमाल किया जा सकता है। हरित ऊर्जा के क्षेत्र में काम करने वाली संस्था सुयोजन के तकनीकी सदस्य अरुण ने बताया कि फूलों से बायोगैस और उर्वरक बनाने का यह उनका पहला प्रयास था जिसमें सफलता से वह काफी उत्साहित हैं।

उन्होंने कहा कि बायोगैस का इस्तेमाल खाना पकाने या बिजली बनाने के लिए किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि पाँच किलोग्राम फूल से इतना गैस बन जाता है जिससे पाँच घंटे खाना पकाया जा सके।

उन्होंने कहा कि देश के दूसरे मंदिरों में भी जरूरत के हिसाब से बड़ा या छोटा प्लांट लगाया जा सकता है। साथ ही एक ही शहर के एक से ज्यादा मंदिर चाहें तो फूलों को एकत्र कर एक ही जगह प्लांट लगा सकते हैं जिसमें ज्यादा गैस और उर्वरक बनेगा। उन्होंने कहा कि एक तरफ इससे सरकार के स्वच्छता अभियान को मदद मिलेगी तो दूसरी ओर लोगों की आस्था का सम्मान भी होगा। साथ ही नदियों में प्रवाहित होने वाली गंदगी कम करने में भी यह परियोजना सहायक होगी।

डीसीएम श्रीराम लिमिटेड द्वारा जेल में सामान भेंट

कोटा। आज सैन्ट्रल जेल कोटा में डीसीएम श्रीराम लिमिटेड के अधिकारियों, कर्मचारियों ने भोजन बनाने के बर्तन भेंट किये। डीसीएम के वरिष्ठ वाइस प्रेसीडेन्ट वीनू मेहता, संयुक्त उपाध्यक्ष निगम प्रकाश महाप्रबन्धक यूएन शर्मा, श्रमिक संघ के अध्यक्ष आरडी माथुर, आर्य समाज के जिला प्रधान अर्जुनदेव चड्ढा व श्रमिक प्रतिनिधि व अधिकारी वर्ग ने एक बड़ा भगोना स्टील की बाल्टियां, 5 कढछे जेल की भोजनशाला के लिए डीसीएम श्रीराम लिमिटेड की ओर से जेल अधिकारी को दिये।

मुझे सिर्फ मेहनत की कमाई ही चाहिए

रायपुर। लक्ष्मणराव जन्म से ही दृष्टिहीन हैं। इसके बावजूद उन्होंने ट्रेन में चॉकलेट बेचकर अपने परिवार का पालन-पोषण किया। इतना ही नहीं, तीन बेटों को पढ़ाया। इनमें से एक ने एमबीए किया। आज तीनों बेटे नौकरी कर रहे हैं। पर लक्ष्मण की जिद है कि वह यह काम करते रहेंगे। लक्ष्मण 12 साल के थे तब माता-पिता का साया उठ गया। छोटे भाई के साथ वे रायपुर आ गए। तंगहाली के बाद भी हौसला नहीं टूटा। उन्होंने ट्रेनों में चॉकलेट व अन्य सामान बेचा। भाई को पढ़ाया-लिखाया, शादी कराई, लेकिन वह भी पराया हो गया। तब लक्ष्मण ने दमयंती से शादी की। पत्नी ने पूरा साथ दिया। तीन बच्चे हुए। परिवार के रहने-खाने का ठिकाना नहीं था। फिर भी बच्चों को पढ़ाया और पैरों पर खड़ा किया। आज भी वे रोज सुबह हावड़ा-मुंबई मेल से गोंदिया स्टेशन तक जाते हैं। फिर वहां से किसी दूसरी ट्रेन से लौटते हैं। रोज 12 घंटे वे ट्रेन में सामान बेचते हैं। अंधा समझकर लोग पैसे भी देते हैं, लेकिन वे मुस्कुराकर कहते हैं, मुझे मेहनत की कमाई ही चाहिए। जिस दिन मैं ट्रेन से छूट जाऊंगा, जीवन रुक जाएगा।

मोटापा से लड़ने के लिए गेट इन शेप इंडिया अभियान शुरू

नयी दिल्ली। वेलनेस क्षेत्र की कंपनी जाईडस वेलनेस ने मोटापा से लड़ने और लोगों में स्वस्थ जीवनशैली शुरू कर देश को सेहतमंद बनाने के उद्देश्य से गेट इन शेप इंडिया अभियान शुरू किया है। कंपनी ने यहां बताया कि इस अभियान के तहत वह हर क्षेत्र के न्यूट्रीशनिस्ट डाइटीशियन सेलिब्रिटी और फिटनेस विशेषज्ञों के साथ मिलकर काम कर रही है। इसका मुख्य उद्देश्य सभी को फिट रहने के लिए प्रोत्साहित करना है। कंपनी ने कहा कि आलस्यपूर्ण जीवनशैली जंक फूड और चीनी के अत्याधिक इस्तेमाल जैसी आदतों के कारण हम अस्वस्थ भारत की दिशा में बढ़ रहे है। पतले और सेहतमंद बने रहने के लिए सक्रीय जीवनशैली को अपनाना और चीनी की अधिकता वाले खाद्य पदार्थ के सेवन को नियंत्रित करना बेहद जरूरी है।

विकलांग मंच वेबसाइट पर भी

विकलांग मंच के सभी सुधि पाठकों से निवेदन है कि आपका राष्ट्रीय पाक्षिक समाचार पत्र 'विकलांग मंच' अब वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। पाठक नवीनतम अंक के लिए www.lbdvs.com पर अवलोकन करें।

-प्रबंधक

सुधि शुभचिंतकों की सूचनार्थ

समाज के सर्वहारा वर्ग का प्रकाशन विकलांग मंच समाज, शासन एवं नि:शक्तजनों के मध्य सेतु माध्यम का अकिंचन प्रयास है। देश के अन्य राज्यों सहित राजस्थान में नि:शक्तजनों के कल्याणार्थ किए गए कार्यों की जानकारी समाज के सामने रखने का प्रकाशन का पूरा प्रयास रहता हैं। उदारमना महानुभावों के सहयोग से व्यापक प्रसार संख्या वाले इस प्रकाशन की नि:शक्तजनों की सेवा में महती भूमिका है।

आपश्री से निवेदन है कि कृपया आप स्वयं एवं अपने परिचितों को विकलांग मंच का सदस्य (सहयोग राशि आजीवन 500/- अथवा वार्षिक 50/-रूपये मात्र) बनने के लिए प्रेरित करें। आपश्री अपनी सहयोग राशि मनीआर्डर/ डीडी/ पोस्टल आर्डर/ एट पार चेक (जो विकलांग मंच जयपुर के नाम देय हो) द्वारा निम्न पते पर भिजवा सकते हैं। इसके अलावा आपश्री अपनी सहयोग राशि भारतीय स्टेट बैंक में विकलांग मंच के खाता संख्या 32093997756 में भी सीधे जमा करा कर मोबाइल फोन 09352320013 अथवा ई-मेल vicklangmanch@gmail.com पर मैसेज (अपने डाक पते सहित) देने का अनुग्रह करें।

प्रबंधक, विकलांग मंच
8/141,मालवीय नगर, जयपुर-302 017
फोन : 0141-2547156, फैक्स : 0141-4036350

राजगढिया ट्रस्ट ने जिला कलक्टर को एक लाख का चैक सौंपा

चूरू। जिला प्रशासन की पहल पर इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी, चूरू के माध्यम से जिले के राजकीय अस्पतालों में प्रसव के समय नवजात शिशु सुरक्षा किट्स निःशुल्क उपलब्ध कराये जाने के नवाचार प्रोजेक्ट के अन्तर्गत राजगढ़ निवासी प्रमुख समाजसेवी राजकुमार रूलीराम राजगढ़िया द्वारा सहयोगार्थ एक लाख रूपये की राशि प्रदान की गई है। रामजीदास रूलीराम राजगढ़िया चेरिटी ट्रस्ट, मुम्बई की ओर से ट्रस्टी राजकुमार राजगढ़िया द्वारा इस राशि का चैक जिला कलक्टर को उनके कार्यालय में भेंट किया गया। जिला कलक्टर अर्चनासिंह ने बताया कि यह प्रोजेक्ट दानदाताओं से सहयोग स्वरूप प्राप्त राशि से क्रियान्वित हो रहा है तथा इस हेतु दानदाताओं विशेषकर प्रवासी नागरिकों से निरन्तर सहयोग प्राप्त हो रहा है। जिला कलक्टर ने बताया कि चूरू व तारानगर मुख्यालयों के राजकीय अस्पतालों में इस प्रोजेक्ट की शुरूआत के उपरान्त आमजन में इसे सराहा गया है तथा इसके विस्तार हेतु जिले के अन्य नगरीय क्षेत्रों के राजकीय अस्पतालों में उक्त किट्स का वितरण अतिशीघ्र शुरू किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं तथा ग्रामीण क्षेत्रों के राजकीय अस्पतालों में इसकी शुरुआत पंचायतीराज संस्थाओं के निर्वाचन सम्पन्न होने के बाद किया जाएगा।

गौर हरि सिंघानिया नहीं रहे

कानपुर। जाने माने उद्योगपति और उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ (यूपीसीए) के मुख्य संरक्षक गौर हरि सिंघानिया का यहां हृदयगति रुकने से निधन हो गया। वह 80 वर्ष के थे। भगवतदास घाट पर उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया। मुखाग्नि उनके पुत्र यदुपति सिंहानिया ने दी। इस मौके पर खेल और उद्योग जगत से जुड़े तमाम हस्तियां मौजूद थी। 12 जून 1935 को देश के प्रतिष्ठित औद्योगिक घराने में जन्मे सिंहानिया को बचपन से खेल, साहित्य और कला में खासी रूचि थी। कला में परास्नातक करने के बाद उन्होने अर्थशास्त्र में पीएचडी की उपाधि हासिल की। श्री सिंहानिया पिछले दो दशक से अधिक समय यूपीसीए के साथ जुड़े थे। जुगीलाल कमलापति जेके समूह के अध्यक्ष होने के साथ उन्होंने जेके इंटरप्राइजेस जेके काटन लिमिटेड और जेके ट्रेडर्स में अलग अलग पदों पर काम किया था।

गहलोत ने संवेदना व्यक्त की

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने देश के प्रसिद्ध उद्योगपति जे.के. सीमेन्ट के अध्यक्ष पद्मभूषण गौर हरी सिंघानिया के निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त की है। गहलोत ने संदेश में कहा कि स्वर्गीय सिंघानिया ने राजस्थान के औद्योगिक विकास के आरम्भिक चरणों में उद्योग स्थापित कर महति भूमिका निभाई है। राजस्थान की आधारभूत संरचना के विकास में उनकी इस भागीदारी को हमेशा याद किया जायेगा।

शिक्षा देने में गर्व महसूस होता है:अनुपम खेर

मुंबई। बॉलीवुड के जानेमाने चरित्र अभिनेता अनुपम खेर का कहना है कि उन्हें शिक्षा देने में ज्यादा मजा और गर्व महसूस होता है। अनपुम खेर ने यहां एक किताब के विमोचन के अवसर पर कहा कि मुझे अभिनय के लिए बहुत सारे पुरस्कार मिले। बहुत सारी वाहवाही और तालियां भी मिलीं लेकिन मुझे उन सबसे ज्यादा गर्व तब महसूस होता है जब मैं स्टूडेंट्स को अभिनय सिखाता और पढ़ाता हूँ। अनपुम खेर ने कहा कि मैं स्कूल में कमजोर छात्र था। बहुत कम नंबर आते थे लेकिन मैंने अभिनय की पढ़ाई में स्वर्ण पदक जीता और अभिनय में तालीम हासिल करके अपना नाम और मुकाम हासिल किया। इस किताब में शिक्षा की अहमियत और इस प्रणाली को सुधारने के तरीके लिखे गए हैं। देश में शिक्षा प्रणाली को सुधारने की बहुत सख्त जरूरत है।

झुग्गी-झौंपड़ियों में रहने वाले बच्चे भी अब जा पाएंगे स्कूल

बीकानेर जिला कलक्टर की पहल पर शुरू हुआ 'स्ट्रीट टू स्कूल' अभियान

जयपुर। झुग्गी-झौंपड़ियों में रहकर मेहनत-मजदूरी करके जीवन यापन करने वाले माता-पिता को इस बात का यकीन ही नहीं हो रहा है कि उनके बच्चे भी अब स्कूल जा पाएंगे। गरीबी और शिक्षा के अभाव ने उनके जीवन को अंधकारमय कर दिया, लेकिन जिला कलक्टर आरती डोगरा की पहल और बाल अधिकारिता विभाग के प्रयासों से उनके अंधेरे जीवन में प्रकाश की किरणें नजर आने लगी हैं और माध्यम बना है बाल अधिकारिता विभाग द्वारा बाल संरक्षण इकाई (सीडब्ल्यूसी) और चाइल्ड लाईन के संयुक्त तत्वावधान् में चलाया जाने वाला 'स्ट्रीट टू स्कूल' अभियान। अभियान के तहत झुग्गी-झौंपड़ियों एवं कच्ची बस्तियों में रहने वाले ऐसे 295 बच्चों का चिन्हीकरण किया गया है जो गरीबी और संरक्षण के अभाव में या तो कभी स्कूल नहीं जा पाए या फिर परिस्थितियों ने उनकी पढ़ाई बीच में छुड़वा दी। ऐसे बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से पुन:जोड़ने के लिए 'स्ट्रीट टू स्कूल' अभियान नई उम्मीद के रूप में सामने आया है। विभाग द्वारा इन बच्चों को पहचान दिलाने के लिए 'आधार' योजना के तहत उनका पंजीकरण किया जा रहा है तथा रोडवेज बस स्टेण्ड के पास, चाइल्ड लाइन कार्यालय परिसर में तीन दिवसीय विशेष शिविर आयोजित कर मौके पर ही विभिन्न स्कूलों के आवेदन पत्र भरवाए जा रहे हैं।

विभिन्न क्षेत्रों में किया सर्वेक्षण: बाल अधिकारिता विभाग द्वारा सीडब्ल्यूसी और चाइल्ड लाईन के सहयोग से दिसम्बर में समता नगर, बसंत विहार के पीछे, दूरदर्शन कार्यालय के पास, पवनपुरी और नाल सहित विभिन्न क्षेत्रों की झुग्गी-झौंपडियों का सर्वे किया गया। इस दौरान 90 परिवारों के 295 ऐसे बच्चों का चिन्हीकरण किया गया, जो या तो कभी स्कूल गए नहीं या उन्होंने स्कूल बीच में छोड़ दी। 'स्ट्रीट टू स्कूल' अभियान के तहत इन बच्चों को पुन: स्कूल भेजा जाएगा। इन सभी बच्चों के परिजनों को 2 से 4 फरवरी तक आयोजित शिविर के लिए सूचित किया गया है।

इन स्कूलों में मिलेगा दाखिला: बाल अधिकारिता विभाग की सहायक निदेशक कविता स्वामी ने बताया कि जिला कलक्टर के निर्देशानुसार झुग्गी-झौंपड़ियों के आस-पास की सरकारी स्कूलों का चयन इन बच्चों के दाखिले के लिए किया गया है। इनमें राउमावि एवं राउप्रावि इगानप, राउप्रावि चौतीना कुआं नं.1, राप्रावि नगर निगम के पीछे, राप्रावि नं.11 एवं राप्रावि इंद्रा कॉलोनी सम्मिलित हैं। आवश्यकता के अनुसार स्कूलों की संख्या में और इजाफा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि तीन दिवसीय शिविर के दौरान इन स्कूलों के प्रतिनिधि मौजूद रहेंगे तथा बच्चों के फॉर्म भरवाकर, उन्हें स्कूलों में दाखिला देंगे।

बच्चों में दिखा स्कूल जाने का उत्साह: स्कूलों में पंजीकरण के दौरान जहां अभिभावकों के चेहरे पर खुशी साफ देखने को मिली वहीं बच्चों में भी इसके प्रति उत्साह था। घरेलू परिस्थितियों के कारण पढ़ाई बीच में छोड़ देने वाली नौ वर्षीय किरण ने बताया कि वह पढ़-लिखकर अध्यापिका बनना चाहती है और दूसरों के जीवन से अशिक्षा का अंधकार मिटाना चाहती है। इसी प्रकार छह वर्ष की निशा और संवाई राम, पांच वर्ष के अमित, दस वर्ष की मांछी के अलावा संजय, जितेन्द्र राव, कंचन, अरूण, मनोज आदि ने भी नियमित रूप से स्कूल जाने और पढ़ने का वादा किया।

'आधार' से मिलेगी पहचान: शिविर के दौरान झुग्गी-झौंपड़ियों में रहने वाले बच्चों एवं उनके अभिभावकों के लिए 'आधार' पंजीकरण शिविर आयोजित किया गया। इन लोगों की पहचान की तस्दीक बाल संरक्षण समिति के सदस्यों द्वारा की गई। शिविर के दौरान 44 लोगों का आधार पंजीकरण किया गया।

अतुलनीय लिवरपूल के रिचर्ड ने नाक और आईपैड की सहायता से रिवर मर्सी से प्रेरित होकर लिखी कविताएं

सेरेब्रल पाल्सी पीड़ित ने नाक से लिख दी किताब

एजेंसी | लिवरपूल

वह सेरेब्रल पाल्सी से पीड़ित है। ब्रेन स्ट्रोक से गुजर चुका है। व्हीलचेयर पर जिंदगी चल रही है। लेकिन उसे यूं ही बैठना गवारा नहीं था। इसलिए कविताएं लिखने का सोचा। हाथ-पैर निष्क्रिय हैं, तो क्या हुआ। इसका भी इलाज है। आईपैड बना नोटबुक और पेन बनी नाक। और लिख दी गई किताब।

हम बात कर रहे हैं लिवरपूल के रिचर्ड होपले की। उन्होंने हल ढूंढा है अपनी अभिव्यक्ति को मूर्त रूप देने का। उसका कविता संग्रह रिवर बुक फोटो : लिवरपूल इको हाल ही में प्रकाशित हुआ है। रिचर्ड ने बताया कि 'मैं हमेशा से विशेष कंप्यूटर सिस्टम से लिखने का सोचता था लेकिन यह दुष्कर होता था। इसलिए यह तरीका खोज लिया।

ये हैं 41 वर्षीय रिचर्ड हॉपले जिन्होंने सेरेब्रल पाल्सी के सामने घुटने टेकने से इंकार कर दिया। जिंदगी के हर पल को चुनौती की तरह लिया। अपनी बात कहने के लिए कविताएं लिखनी शुरु कीं और बना दिया काव्य संग्रह।

कविता से बात कहना ही सही लगा

कविताओं में तो किशोरावस्था से ही रुचि थी। लेकिन इस बीमारी ने मुझे रोकना शुरू कर दिया था। कुछ लड़कों को अपनी गर्लफ्रैंड का हाथ पकड़े देखा तो बहुत कुंठा हुई। गुस्से को निकालने का कोई रास्ता नहीं सूझ रहा था। बस तभी कविता ने आकर लेना शुरू किया। 41 साल के रिचर्ड बताते हैं कि बोलने में भी समस्या थी, अपनी बात नहीं रख पाता था। इसलिए कविताएं ही सही माध्यम लगीं अपनी बातें कहने का। एक बार पीठ में चोट लगी तो समस्या और बढ़ गई। फिर आईपैड खरीदा। नाक से लिखने की कोशिश की, कभी थका नहीं, कभी हार नहीं मानी। मेरी हर कविता अभिव्यक्ति का स्नैपशॉट है।

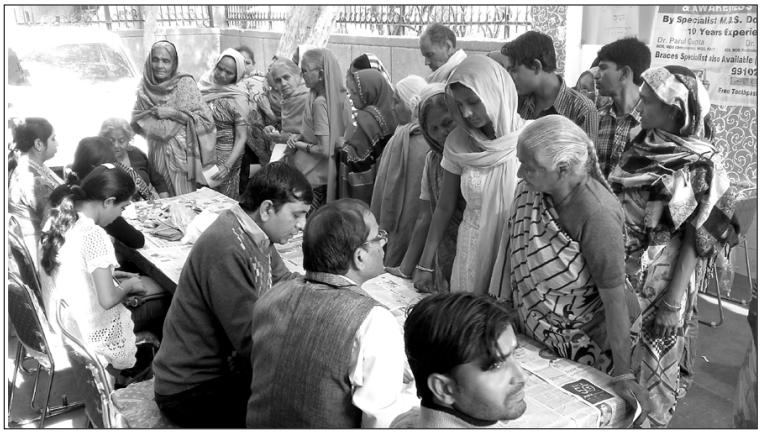

बुजुर्गों हेतु नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर

दिल्ली। मंगोलपुरी सीनियर सीटिजन ऐसोसियशन एवं आर्ट ऑफ लिविंग के सहयोग से जी-ब्लॉक मंगोलपुरी दिल्ली में बुर्जुगों हेतु मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया। शिविर का उद्घाटन क्षेत्रीय निगम पार्षद श्रीमति सीमा जाटव व संस्था के अध्यक्ष राम नारायण अग्रवाल व महासचिव नत्थू राम ने संयुक्त रूप से किया इस मौके पर उन्होंने कहा कि बदलते मौसम में लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की जरूरत है। खासतौर पर लोगों को खान पान पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। इसी उदेश्य को लेकर मंगोलपुरी में में वृद्ध मनोरंजन केन्द्र में आने वाले बुर्जुगों ने इस शिविर में भाग लिया। निगम पार्षद ने शिविर का आयोजन करने के लिए मंगोलपुरी सीनियर सीटिजन ऐसोसियशन एवं आर्ट ऑफ लिविंग के प्रति आभार व्यक्त भी किया। उन्होंने मंगोलपुरी के विभिन्न इलाकों में बुर्जुगों हेतु स्वास्थ्य शिविर लगाने का आग्रह समिति एवं आर्ट ऑफ लिविंग के अधिकारियों से की। शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने नाक, कान, गला, पेट संबंधी बीमारियों का जांच कराया। लोगों को मुफ्त में विभिन्न बीमारियों की दवाइयां भी दी गई। इस मौके पर संस्था के कोषाध्यक्ष बन्टी सौलंकी ने आर्ट ऑफ लिविंग का व लोगों का शिविर में आने के लिए आभार व्यक्त किया। इस मौके पर वृद्ध मनोरंजन केन्द्र की प्रबन्धक कमेटी से राम नारायण अग्रवाल, नाथू राम, ओम प्रकाश, हंसा देवी, पूरन देवी, कमला देवी, सोना देवी, गुलाब देवी मोजुद थे।

शिक्षा में गुणात्मक सुधार आवश्यक:भदेल

जयपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अनिता भदेल ने कहा है कि बच्चों की शिक्षा में गुणात्मक सुधार की आवश्यकता है और जिस संस्थान में वह अध्ययन कर रहा है, उसे यह देखना चाहिए कि बच्चे का भविष्य किस प्रकार बन सकता है। उन्होंने कहा कि किसी भी शिक्षण संस्थान में अध्ययन करने वाले छात्र-छात्राओं की संख्या के आधार पर उसकी गुणवत्ता नही आंकी जाती, बल्कि उस संस्थान से निकलने वाले विद्यार्थी किस प्रकार अपने क्षेत्र में सेवा करके अपने समाज व देश को क्या देते है, इसे महत्व दिया जाता है।श्रीमती भदेल अजमेर के जवाहर रंगमंच पर आर्य भट्ट ग्रुप ऑफ कॉलेजेज के वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह को सम्बोधित कर रही थीं।

श्रीमती भदेल ने कहा कि शिक्षण संस्थान में प्रवेश करने वाले विद्यार्थियों को वहां के शिक्षक क्या देते हैं, यह महत्वपूर्ण है। इसी से उस विद्यार्थी का जीवन आगे प्रगति करेगा और वह अपनी सेवाओं को अंजाम देगा। उन्होंने कहा कि हमारे लिए वह चिकित्सक ज्यादा महत्वपूर्ण है जो सरल तरीके से उपलब्ध है और हमें चिकित्सा उपलब्ध कराता है। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अनिता भदेल ने अकादमी क्षेत्र में उपलब्धियां अर्जित करने वाली छात्र-छात्राओं को पुरस्कार वितरित किए। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला प्रमुख श्रीमती वंदना नोगिया ने विद्यार्थियों के जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए दिशा दी और इस शिक्षण संस्थान से निकलने वाले बच्चों के उज्जवल भविष्य की शुभकामना दी। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियां अर्जित करने वाले छात्र छात्राओं को पुरस्कृत किया।

गीता वृद्ध आश्रम का औचक निरीक्षण

भिवानी। जिला एवं सत्र न्यायाधीश व जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के चेयरमैन जे.आर. चौहान ने निकटवर्ती गीतावृद्ध आश्रम एवं परमार्थ वाटिका का दौरा कर वहां पर वृद्ध लोगों को प्रदत्त की जा रही सुविधाओं का जायजा लिया।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश जे.आर. चौहान ने गीता वृद्ध आश्रम का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने वहां पर रहने वाले वृद्ध लोगों से बातचीत की और वृद्ध लोगों को दी जा रही सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने आश्रम के मैनेजर उत्तम वर्मा को निर्देश दिए कि वृद्ध लोगों को हर संभव सुविधा मुहैया करवाई जाए ताकि उनको किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

इस अवसर पर जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी श्रीमती स्वाति सहगल एडवोकेट नीरज आर्य, भूनेश मुखीजा, बलजीत पूनिया, अधीक्षक डी.एन. भारती तथा यशवीर सिंह पीएलवी भी उपस्थित थे।

सम्मेद शिखरजी, मधुबन में नि:शुल्क विकलांग कैम्प

दिल्ली। प्रमुख समाजसेवी संस्था तरुण मित्र परिषद द्वारा श्री सम्मेद शिखर जी, मधुबन में आयोजित नि:शुल्क विराट विकलांग कैम्प सम्पन्न हो गया।

तरुण मित्र परिषद के महासचिव अशोक जैन ने बताया कि यह 23वॉ विकलांग कैम्प श्री नरेश चन्द जैन कागजी, दिल्ली की स्मृति में श्रीमति मृदुला जैन व ओशो जैन के सहयोग से आयोजित किया गया जिसमें गत 18 जनवरी को दिल्ली भारत विकास फाउन्डेशन की टीम ने विकलांगों के लिए सहायक उपकरण प्रदान करने हेतु नाप लेकर दिल्ली स्थित कार्यशाला में तैयार किया था आज इन सभी को 46 कृत्रिम पैर, 8 हाथ व पोलियोग्रस्त बच्चों को 33 कैलिपर्स, 20 ऑर्थोशूज, 8 बैसाखियां व 11 स्टिक प्रदान की गईं। यह सभी

विकलांग इन कृत्रिम पैर से सुगमतापूर्वक आ-जा सकेंगे व हाथ से अपना कोई भी कार्य करने में सक्षम होंगे। प्रारम्भ में कार्यक्रम के मुख्य सहयोगी ओशो जैन ने अतिथियों का माल्यार्पण कर सम्मान किया। परिषद के संगठन सचिव राकेश जैन ने बताया कि परिषद ने उत्तर प्रदेश की ऐतिहासिक नगरी हस्तिनापुर में बुजुर्गों व सामाजिक गतिविधियों के विस्तार हेतु श्रद्धा सदन का निर्माण किया है। वर्तमान में इस भवन में ग्रामीण बच्चों के लिए कम्प्यूटर प्रशिक्षण व युवतियों के लिए सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र प्रारम्भ किए जा चुके हैं।

देवेन्द्र शर्मा विवेकानन्द गौरव से सम्मानित

जयपुर। सवाई मानसिंह अस्पताल, ए.आर.टी. सैन्टर, जयपुर में कार्यरत् एच.आई.वी. एड्स परामर्शदाता देवेन्द्र कुमार शर्मा को समाजसेवा के क्षेत्र में की गई उत्कृष्ट सेवाओं के लिये राजस्थान युवा छात्र संस्था एवं नेहरू युवा केन्द्र के

संयुक्त तत्वाधान में आयोजित राज्य स्तरीय सम्मान समारोह 2015 में विवेकानन्द गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति मनीष भण्डारी, राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर एवं संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर के कुलपति विनोद शास्त्री एवं भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी के.बी. गुप्ता द्वारा माल्यार्पण, प्रशस्ति-पत्र, शॉल एवं स्मृति चिन्ह देकर में सम्मानित किया गया।

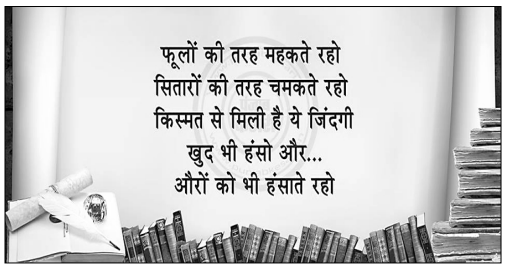

समाजसेवियों को सेवा भूषण अवार्ड

नई दिल्ली के इस्कॉन टेम्पल ऑडिटेरियम में भव्य समारोह

उदयपुर। नि:शक्तों एवं निराश्रितों की सर्वांग सेवा में पिछले 30 वर्षो से संलग्न शक्ति एवं भक्ति की पूण्य भूमि मेवाड़ (उदयपुर) धरा के नारायण सेवा संस्थान की ओर से रविवार को नई दिल्ली में आयोजित समाज सेवा में विशिष्ट योगदान के लिए समाजसेवियों को सेवा भूषण अवार्ड से सम्मानित किया गया।

पूर्वी कैलाश के ईस्कॉन टेम्पल ऑडिटोरियम में आयोजित समारोह में संस्थान संस्थापक पद्मश्री कैलाश मानव, भजन सम्राट नन्दु भैया, भागवताचार्य दयालु जी महाराज, साधना चैनल के महाप्रबन्धक राकेश कुमार, साध्वी ध्यान मूर्ति व साध्वी कीर्ति किशोरी ने समाजसेवियों को प्रशस्ति पत्र, शॉल एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किए। समारोह में इन समाजसेवियों द्वारा किए गए सामाजिक सरोकारों के कार्यो की डॉक्यूमेन्ट्री का भी प्रदर्शन किया गया। आरम्भ में संस्थान-संस्थापक कैलाश मानव ने अतिथियों के साथ सेवादीप का प्रज्वलन किया।

संस्थान अध्यक्ष प्रशान्त अग्रवाल ने अतिथियों व सम्मानित समाजसेवियों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि अनु अनिल गर्ग गाजियाबाद, सतीश कुमार सिरसा, इन्द्रलाल कटियाल, फूली देवी (मरणोपरान्त) जोधपुर, हेमसिंह गहलोत जोधपुर, रीता जैन दिल्ली, परमानन्द गुप्ता देहली, राजेश अग्रवाल छतरपुर, विजय शंकर अग्रवाल, महेन्द्र प्रताप, विकास बंसल, शरनजीत भल्ला, प्रकाश कुमार सिंह, जयन्तिलाल, राजकुमार रोडे, सरोज शर्मा को डायमण्ड, स्वर्ण व रजत सम्मान से सम्मानित किया गया।

ट्रस्टी निदेशक देवेन्द्र चौबीसा ने संस्थान के नि:शुल्क सेवा प्रकल्पों की जानकारी देते हुए बताया कि संस्थान में निराश्रित, नि:शक्त, मूक बधिर एवं प्रज्ञाचक्षु बालकों के लिए निर्माणाधिन आवासीय विद्यालय की जानकारी दी। समारोह का संचालन महिम जैन ने किया। धन्यवाद ज्ञापन भगवान प्रसाद गौड़ ने किया।

मैनेजमेंट के विद्यार्थियों ने सीएम से की तंबाकू उत्पादों पर टैक्स बढ़ाने की मांग

जयपुर। इंटरनेशनल स्कूल ऑफ इंफोरमेटिक्स एंड मैनेजमेंट (आईएस आईएम) मानसरोवर, जयपुर के विद्यार्थियों के एक शिष्टमंडल ने राज्य की मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को ज्ञापन

भेजकर युवाओं को तंबाकू व अन्य धूम्रपान उत्पादों से बचाने के लिए इन पर टैक्स बढ़ाने की मांग की है।

आईएसआईएम के मैनेजमेंट के द्वितिय सेमेस्टर के विद्यार्थियों के प्रतिनिधिमंडल के गोविंद ठाड़ा ने बताया कि पिछले सप्ताह राजस्थान वोलंटयरी हैल्थ एशोसियेशन के साथ तंबाकू व धूम्रपान उत्पादों पर रिसर्च किया था। जिससे पता चला कि शिक्षण संस्थाओं में पढ़ने वाले युवा वर्ग में तंबाकू व धूम्रपान उत्पादों का क्रेज कितना है। जो आंकड़े सामने आए वह चौंकाने वाले है। इससे प्रेरित होकर हम सबने तंबाकू के खिलाफ मुहिम चलाने का निर्णय लिया है। इस मुहिम में मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को ज्ञापन भेजकर तंबाकू व धूम्रपान उत्पादों पर टैक्स बढ़ाने की मांग की गई है। इसके बाद राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविर में भी इनसे होने वाली हानियों के बारे में विद्यार्थियों केा अवगत कराया जायेगा।

प्रतिनिधिमंडल की सदस्य हनी अग्रवाल बताती है कि राजस्थान में वर्ष 2010 में वैश्विक व्यस्क तंबाकू सर्वेक्षण (गेट्स) के द्वारा किये गये सर्वेक्षण में भी सामने आया था कि करीब 1.5 करोड़ लोग किसी ना किसी रुप में तंबाकू का सेवन करतें है और इनमें से लाखों तंबाकू से संबधित रोगों के कारण प्रतिवर्ष मृत्यु को प्राप्त होते है। इनमें से 72 हजार राजस्थानी भी शामिल है। इसमें 50 हजार से अधिक वे लोग हैं जो तंबाकू के कारण अपनी जान गंवा देते है। जबकि राजस्थान में महिला वर्ग में तंबाकू सेवन को प्रारंभ करने की औसत उम्र 14 वर्ष तथा पुरुषों में 17 वर्ष आंकी गई है। जो कि बेहद खतरनाक है।

पल्स पोलियो महाअभियान में सहयोग दिया जनप्रतिनिधि ने

झालावाड़। भारत राष्ट्र को पोलियो मुक्त राष्ट्र बनाने के महाअभियान में 0 से 5 वर्ष तक के शिशुओं को पोलियों की दवा पीलाने में जन प्रतिनिधि भी पीछे नहीं रहे। नगर परिषद्, झालावाड़ के वार्ड पार्षद राहुल गोयल ने लोटी स्कूल, खारी बावड़ी के पास मंगलपुरा झालावाड़ में स्वास्थ्य विभाग का सहयोग लेकर पोलियो बूथ लगाकर बच्चों को पोलियों की दो बूंद पिलाकर पोलियो मुक्त भारत राष्ट्र बनाने के कार्य में अपना योगदान दिया। जिसके अन्दर कई शिशुओं के अभिभावक ने बच्चों को बूथ पर ला दवा पीलाने में अपनी सक्रियता भी दिखाई। दिनभर पोलियो बूथ पर दवा पिलाने के पुनित कार्य में आमीर खान, लालचन्द रेगर, संजिदा बेगम, दीपक सक्सेना, सुनील कुमार तिवारी, सैय्यद इमरान अली, जाहिदा बेगम, निजाम खान, ब्रजेश नरसल, मनोज राजपाल, मोहम्मद जीमल इत्यादि ने भी इस महाअभियान में अपना सहयोग दिया।

बैद द्वारा स्कूलों में स्वच्छ पानी की व्यवस्था

जयपुर। जे.के. बैद जो एक समाजसेवी व उद्योगपति है, के द्वारा स्कूलों में मिड-डे-मील के साथ स्वच्छ पानी की व्यवस्था अक्षयपात्र के माध्यम से करने के लिये एक गाड़ी तथा एक हजार पानी की डिस्पेन्सर बोतलों के चैक बैंक ऑफ बड़ौदा के महाप्रबन्धक आर.के. गुप्ता के हाथों भेंट किये। स्कूलों में स्वच्छ पानी की व्यवस्था का प्रोग्राम इन्फोसिस की श्रीमती सुधा मुर्तीजी ने उद्घाटन किया। बैद के मिशन फ्री फूड फॉर पुअर के तहत हर महीने दस हजार फ्री खाने

के कूपन गरीबों को वितरित किये जा रहे है जिनको अक्षयपात्र द्वारा खाना वितरित किया जा रहा है। बैद ने भगवान महावीर विकलांग समिति को पाँच-पाँच लाख के दो चैक जयपुर फुट के लिये भेंट किये। तथा स्वच्छ भारत अभियान के तहत बैद द्वारा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नांगलजैसाबोहरा, जयपुर में बालिका शौचालय का निर्माण करवाया जा रहा है।

बैद बी.एस.सी. लिस्टेड कम्पनी पोली मेडिक्योर व विट्रोमेड के संस्थापक है तथा उनको राष्ट्रपति द्वारा प्रथम पुरस्कार, बिजनेस भास्कर, पी.एच. डी. चैम्बर, भारत गौरव, उद्योगरत्न व अन्य पुरस्कार मिल चुकेहै।

विकलांगों को स्टाम्प ड्यूटी में छूट का दायरा बढ़ा

उ.प्रदेश सरकार ने दी विकलांगजनों को राहत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : सरकार ने विकलांगजनों को बड़ी राहत देने का फैसला किया है। अब गभीर रूप से विकलांग व्यक्तियों को 20 लाख रुपये तक की कहीं से भी संपत्ति खरीदने पर स्टाम्प ड्यूटी नहीं देनी पड़ेगी।

मुख्यमत्री अखिलेश यादव की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिनेट की बैठक में विकलांगजन द्वारा परिसंपत्तियों को खरीदने या लीज (पट्टे) पर लगने वाले स्टाम्प शुल्क में छूट का दायरा बढ़ाने का निर्णय किया गया। अब सामान्य रूप से विकलांगजन को सम्पत्ति के खरीदने या पट्टे पर पांच लाख रूपये तक स्टाम्प शुल्क में छूट मिलेगी। संपत्ति के पांच लाख रुपये से ऊपर के मूल्य पर सामान्य रूप से स्टाम्प शुल्क लगेगा।

विकलांग जन अधिनियम के तहत गंभीर रूप से विकलांगजन के लिए किसी भी संपत्ति के खरीदने या पट्टे पर 20 लाख रुपये सीमा तक स्टाम्प शुल्क की छूट होगी। संपत्ति के 20 लाख रूपये से अधिक के मूल्य पर तीन फीसद की दर से शुल्क लगेगा। उल्लेखनीय है कि अब तक सामान्य विकलांगजन को सरकारी संस्थाओं से संपत्ति खरीदने पर ही एक लाख रुपये तक व गंभीर रूप से विकलांगजन के लिए 10 लाख रुपए सीमा तक ही छूट है। साथ ही, यदि विकलांगजन द्वारा संबंधित सम्पत्ति को 10 वर्ष से पूर्व गैर विकलांग व्यक्तिको बेचा जाता है, तो खरीदने वाले को पूर्व में मिली छूट के बराबर अतिरिक्त स्टाम्प शुल्क का भुगतान करना होता है।

क्रोध पर नियंत्रण कर अपराध से बचें:वीनू

कोटा। क्रोध पर नियंत्रण कर अपराध से बचा जा सकता है। अपराध की अलग-अलग प्रवृत्तियां हो सकती है, परन्तु अपराध तो अपराध है। आप यहां से अपराध ना करने की इच्छा के साथ बाहर जावे ताकि दोबारा यहां आने की नौबत ना आये।

उक्त विचार डीसीएम श्रीराम लिमिटेड के सीनियर वाईस प्रेसीडेन्ट वीनू मेहता ने कोटा की सैन्ट्रल जेल में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बंदियों को संबोधित करते हुए व्यक्त किये। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए आर्य समाज के जिला प्रधान अर्जुनदेव चड्ढा ने कहा कि हम अपनी अर्न्तआत्मा की आवाज सुनें, अपराध बोध होने पर चिंतन व मनन करें। सकारात्मक सोच रखें तो आपको मानसिक व आत्मिक शांति का अहसास होगा। सद्विचारों को लेकर यहां से बाहर जावे व समाज की मुख्यधारा से जुड़ें। विशिष्ट अतिथि श्रीराम केमिकल श्रमिक संघ के अध्यक्ष आरडी माथुर ने कहा कि बदले की भावना मन में ना लाकर बदलने की भावना रखें। प्रेम भाव रखने से मुश्किल समय भी आसानी से कट जाता है। विशिष्ट अतिथि निगम प्रकाश ज्योइन्ट वीपी व यूएन शर्मा महाप्रबंधक ने भी बंदी भाईयों को संबोधित किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में मंचासीन अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत जेलर नरेन्द्र स्वामी ने किया। जेल अधीक्षक शंकर सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि जिला केन्द्रीय कारागृह कोटा में हम समय-समय कर सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से बंदियों के मध्य सुधार व सांस्कृतिक, योग, शिक्षा व आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित कराते हैं। जिससे इन बंदियों में सुसंकार पड़े। कार्यक्रम में डीसीएम श्रीराम लिमिटेड के शरद चतुर्वेदी राकेश जैन, करणी राजौरा, श्रीराम केमिकल संघ के चन्द्रगोपाल सेन, राजेश सिंह, नरेश कुमार व राजीव आर्य उपस्थित थे।

3270 लोगों ने पीया औषधीय काढ़ा

कोटा। स्वाईन फ्लू से बचाव हेतू आमजन में जागरूकता दे। इसी कारण औषधीय काढा पीने वालों की लम्बी लाईनें लग जाती हैं। आर्य समाज के जिला प्रधान अर्जुनदेव चढ्डा ने बताया कि शनिवार को इण्डस्ट्रीयल स्टेट स्थित आर्य समाज व भाटिया एण्ड कम्पनी की ओर से स्वाईन फ्लू बचाव औषधीय काढा पिलाया गया। भाटिया एण्ड कम्पनी के निदेशक प्रेम जी भाटिया ने बताया कि प्रात: 11 बजे ये औशधीय काढा ईश्वर प्रार्थना के साथ प्रारंभ किया गया। सायं 5 बजे तक 3270 लोगों ने यह औषधीय काढा पिया। प्रात: 10 बजे से काढा बनाने में पतंजली योग समिति के जिला अध्यक्ष अरविंद पाण्डेय की देखरेख में श्योराज वशिष्ठ, राजीव आर्य ने इस काढे को तैयार करवाया। समाज सेवी गिरधारी लाल पंजवानी ने प्रात: से यहां अपनी सेवाएं दी। भाटिया एण्ड कम्पनी की अधिकारी श्रीमति रजनी शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि आज काढ़ा पीने के लिए आसपास की फैक्ट्रियों, बैंकों, दफ्तरों व बस्तियों के लोगों ने स्वाईन फ्लू बचाव काढ़ा पीया।

राष्ट्रीय कर्तव्य समझकर पिलाई दो बूंद जिंदगी की

सिरसा। लॉयन्स क्लब सिरसा आस्था की ओर से गौशाला रोड़ स्थित सिंगीकॉट मौहल्ले में अध्यक्ष लॉयन नरेंद्र कटारिया की अध्यक्षता में 0 से 5 साल तक के बच्चों के अभिभावकों को अपने बच्चों को पोलियों की बूंदे पिलाने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर समाजसेवी राजेंद्र सिंह रेणू, दिनेश कटारिया, नन्हे समाजसेवी स्पर्श व भोमिक कटारिया को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया। बच्चों के अभिभावकों से बातचीत में लॉयन नरेंद्र कटारिया व प्रोजेक्ट चेयरमैन लॉयन रणजीत सिंह टक्कर ने कहा कि अपने 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियों की खुराक पिलाना अपना राष्ट्रीय कर्तव्य समझते हुए जरूर पिलाए, जोकि बहुत जरूरी है। बच्चों को पोलियों की खुराक की दो बूंदे पिलाकर हम उन्हें जिदंगी भर की अपंगता से बचा सकते है। अगर कोई बच्चा पोलियों की खुराक पीने से वंचित रह गयाए तो समझिये पोलियों का सुरक्षा चक्र टूट जाएगा। इस अवसर पर सचिव लॉयन राजेश नरूला, कोषाध्यक्ष लॉयन पवन गोयन, तरूण भाटी, नरेश कुमार, संदीप, एएनम परमजीत कौर, आंगनवाडी वर्कर ललिता शर्मा, आंगनवाड़ी वर्कर पोमिला, पूजा इत्यादि मौजूद थे।

इज़रायल - निःशक्तजनों के लिए दुनिया का पहला हैंड्स-फ्री स्मार्टफोन बना

यरुशलम में ऐसा स्मार्टफोन बनाया गया है जो पूरी तरह हैंड्स-फ्री है। इज़रायली कंपनी का दावा है कि दुनिया में इस तरह का यह पहला स्मार्टफोन है। निःशक्त यूजस इस सिर की मदद से ऑपरेट कर सकेंगे। यह खास तौर पर उन लोगों के लिए बनाया गया है जो सेरेब्रल पाल्सी, रीढ़ की चोट या अन्य बीमारियों से ग्रस्त हैं।

वियाल में नि:शुल्क चिकित्सा व अन्न-वस्त्र वितरण शिविर

उदयपुर। नारायण सेवा संस्थान की ओर से सोमवार को पंचायत समिति बड़गांव के गांव वियाल में विशाल चिकित्सा एवं अन्न-वस्त्र वितरण शिविर लगाया गया। इस अवसर पर संस्थान संस्थापक चेयरमैन कैलाश 'मानव' ने व्यसन मुक्ति का संकल्प कराने के साथ ही 2 आदिवासियों को रोजगार से जोड़ते हुए उन्हें संस्थान की ओर से सब्जी व चाय-नाश्ता व्यवसाय के लिए हाथ ठेले प्रदान किये। संस्थान निदेशक श्रीमती वंदना अग्रवाल ने बताया कि संस्थान ने वियाल को एक आदर्श ग्राम के रूप में विकसित करने का निर्णय किया है। यहां संस्थान ने विद्यालय में नामांकन बढ़ाने, गांव में बोरिंग के जरिये पेयजल की व्यवस्था, पानी की टंकी को विद्युत कनेक्शन से जोड़ने तथा राज्य सरकार की सहायता से सड़क निर्माण आदि कार्य सफलता पूर्व सम्पन्न किये है।

शिविर में विधवा व गरीब महिलाओं को राशन व वस्त्र वितरण करवाने के साथ ही प्रतिमाह राशन वितरण के लिये कार्ड बनाये गये। डॉ. विष्णु माथुर, सुरेन्द्र सिंह, संजय कुमार ने ग्रामवासियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें नि:शुल्क दवाएं वितरित की। शिविर में उप सरपंच चंदन सिंह, राजकीय उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक प्रेम सिंह भाटी ने भी विचार व्यक्त किये। संचालन महिम जैन व हरिश पण्डित ने किया।

सेवा परमों धर्म ट्रस्ट द्वारा मुकेश के दिल का ऑपरेशन

उदयपुर। उदयपुर की गिर्वा तहसील के मारवास गांव के निर्धन कैलाश मेघवाल के 11 वर्षीय पुत्र मुकेश को हृदय ऑपरेशन के लिए सेवा परमों धर्म ट्रस्ट, उदयपुर ने जयपुर स्थित नारायण हृदयालय में नि:शुल्क ऑपरेशन हेतु भिजवाया। मुकेश के दिल में जन्म से ही छेद था किन्तु उसके निर्धन माता-पिता इस बीमारी के बारे में बेखबर थे। मुकेश के पिता कैलाश मेघवाल दैनिक मजदूरी का कार्य करते है। उसकी मासिक आय 5 हजार रूपये प्रतिमाह है। मुकेश गत 1 वर्ष से बुखार एवं श्वास की बीमारी से ग्रस्त था। निर्धन पिता ने बीमारी को साधारण समझते हुए उसे सर्दी जुकाम खाँसी की दवाईयां देता रहा । इस प्रकार के इलाज में 10 हजार से अधिक रूपया खर्च कर दिया। बच्चे को श्वास लेने में ज्यादा परेशानी होने लगी तो बच्चे को उदयपुर के बडे सरकारी अस्पताल में बताया। डॉक्टरों ने जांच कर बताया कि मुकेश के दिल में छेद है। इसका एक मात्र माकूल इलाज ऑपरेशन है जिसका खर्चा लगभग 2 लाख रूपये है। निर्धन कैलाश को 2 लाख रूपये का इंतजाम करना सपने जैसे लगा। उसके साथी मजदूर ने टी.वी. कार्यक्रम के माध्यम से बताया कि नारायण सेवा संस्थान निर्धन परिवार के गम्भीर बीमारियों से ग्रस्त रोगियों के इलाज में सहायता करती है वह सीधा नारायण सेवा संस्थान के अध्यक्ष प्रशान्त अग्रवाल से मिलकर बच्चे के बीमारी व घर की आर्थिक स्थिति के बारे में बताया । संस्थान अध्यक्ष ने बच्चे को सेवा परमों धर्म ट्रस्ट के माध्यम से नारायण हृदयालय जयपुर भिजवाया। जहा रोगी व रोगी के परिजनों के आवास तथा भोजन व्यवस्था का खर्च ट्रस्ट द्वारा वहन किया जाएगा।

मूक बधिर क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल में दौसा टीम विजयी

उदयपुर। राजस्थान राज्य मूकबधिर क्रीडा परिषद तथा उदयपुर मूक बधिर क्रीडा परिषद और नारायण सेवा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में 16 फरवरी से प्रारम्भ हुई प्रतियोगिता के फाइनल मैच में दौसा टीम ने जोधपुर टीम को पराजित कर ट्रॉफी पर कब्जा किया। मैच का टॉस जोधपुर ने जीता और उन्होंने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ऑवर में 93 रन बनाए। इसके जवाब में दौसा की टीम ने मात्र 9 ऑवर में 94 रन बनाकर मैच जीत लिया। इस प्रकार प्रथम स्थान पर दौसा द्वितीय स्थान पर जोधपुर तथा तृतीय स्थान पर भीलवाड़ा टीम रही।

प्रतियोगिता के समापन समारोह में उदयपुर नगर-निगम के महापौर चन्द्र सिंह जी कोठारी मुख्य अतिथि थे तथा नारायण सेवा संस्थान के अध्यक्ष प्रशान्त अग्रवाल ने समारोह की अध्यक्षता की। कोठारी ने इस अवसर पर विजयी टीम को बधाई दी और उन्होंने इस प्रकार की प्रतियोगिता पर आयोजको का आभार व्यक्त किया। प्रशान्त अग्रवाल ने कहा कि नारायण सेवा संस्थान सदैव विकलांग भाई-बहनों के कल्याणार्थ अपने सेवा प्रकल्पों के माध्यम से सेवा का कार्य कर रहा है और आज इस प्रकार की मूक बधिरजनों की प्रतियोगिता में अपनी सहभागिता निभाते हुए सभी खिलाडियों को धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने खेल भावना के स्तर को कायम करते हुए प्रतियोगिता के सफल संचालन में अपना योगदान दिया। इस प्रकार की प्रतियोगिता मूक बधिर खिलाडियों को राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर पर भाग लेने की ओर आकर्षित करेगी। कार्यक्रम का संचालन राजस्थान राज्य मूक बधिर क्रीड़ा परिषद की सुरभी मुणोत ने किया। इससे पूर्व द्वितीय राज्य स्तरीय मूक-बधिरजनों की क्रिकेट प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच कुंवर लक्ष्यराज सिंह के मुख्य आतिथ्य एवं नारायण सेवा संस्थान के अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल के अध्यक्षता में शिकारबाडी होटल के क्रिकेट मैदान में मूक बधिर क्रीडा परिषद के पदाधिकारियों द्वारा अतिथियों को पुष्पमाला पहनाकर शुभारंम्भ किया ।

विकलांग खिलाडियों को प्रोत्साहन देंगे पावर लिफ्टर अनिल

नयी दिल्ली। ओपन पावरलिफ्टिंग के चैंपियन रहे अनिल कुमार खुद विकलांग हैं लेकिन उन्होंने प्रतिभाशाली विकलांग खिलाडियों को कुछ खेलों में आगे लाने के लिये प्रोत्साहन देने का बीड़ा उठाया है। अनिल बचपन से एक पैर से विकलांग हैं लेकिन पावरलिफ्टिंग में उन्होंने अपनी एक अलग पहचान बनायी है। वर्ष 2003 में पावरलिफ्टिंग से संन्यास ले चुके अनिल अब खेलों में अपना कुछ योगदान देना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि इस खेल ने मुझे बहुत कुछ दिया है और मैं चाहता हूं कि युवा और जरूरतमंद खिलाडियों की मदद की जाये। हम ऐसे विकलांग खिलाड़ियों को सामने लायेंगे जिनमें प्रतिभा है। वह जल्द ही दिल्ली में पावरलिफ्टिंग, टेबलटेंनिस, बैडमिंटन, तैराकी और एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं का आयोजन करेंगे। राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय स्तर पर सौ से ज्यादा पदक जीत चुके अनिल का एकमात्र लक्ष्य है कि विकलांग खिलाडियों को मजबूत बनाया जाये और एक ऐसा संगठन तैयार किया जाये जिसके अधिकतर पदाधिकारी शारीरिकरूप से विकलांग हों। अनिल ने कहा कि कई बार पैसों की तंगी के कारण वह प्रतियोगिताओं में हिस्सा नहीं ले पाये थे लेकिन वह दूसरे विकलांग खिलाडियों को इतना मजबूत करेंगे कि उनके साथ ऐसी स्थिति नहीं आये।

विशेष बच्चों ने मनाया विश्व कप का जश्न

नयी दिल्ली। आस्ट्रलिया और न्यूजीलैड की सह मेजबानी में शनिवार से शुरू हुए क्रिकेट विश्वकप की पूर्वसंध्या पर यहाँ विशष बच्चों न मिनी विश्वकप टूर्नामेंट खेलकर इसका जश्न मनाया। भारत स्थित आस्ट्रलिया और न्यूजीलैड के उच्चायोग ने राजधानी के विनय मार्ग क्रिकेट मैदान पर छह टीमों के बीच मिनी विश्व कप कराकर क्रिकेट के महाकुंभ की शुरूआत का जश्न मनाया। तीन एनजीओ मैजिक बस, चिंतन और आगा खान फाउंडेशन से बच्चों की छह टीमों ने इस टूर्नामेंट में हिस्सा लिया और मैजिक बस की टीम विजेता बनी। आस्ट्रलिया के उच्चायुक्त पैट्रिक सकलिंग और न्यूजीलैड के उच्चायुक्त ग्राहम मार्टन ने विजेता टीम का चमचमाती विश्व कप ट्राफी प्रदान की। आस्ट्रेलियाई उच्चायुक्त न इस अवसर पर बच्चों को हिन्दी में संबोधित करते हुए कहा कि दोनों देशों में क्रिकेट का खेल रचा-बसा है और इससे दोनों देशों के संबंध प्रगाढ होते है। सकलिंग ने कहा कि हमारे लिए यह बडे गौरव की बात है कि हम न्यूजीलैंड के साथ विश्व कप आयोजित कर रहे है। न्यूजीलैड के उच्चायुक्त मार्टन ने कहा कि हमारे लिए यह बडी खुशी की बात है कि हमने दिल्ली के बच्चों के साथ विश्व कप का जश्न मनाया।

किलबिल में गूँजी किलकारियाँ

अजमेर। राजस्थान महिला कल्याण मण्डल संस्था, द्वारा संचालित मीनू मनोविकास इनक्लूसिव स्कूल मे 10वाँ सम्मिलित बाल मेला धूम धाम से मनाया गया। किलबिल नाम से आयोजित इस बाल मेले का मुख्य अतिथि के रूप में उद्घाटन करते हुए अतिरिक्त जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने बच्चों के शारीरीक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास के लिए बाल मेले के आयोजन को बहुत ही महत्वपूर्ण बताया। विशिष्ट अतिथि के रूप में रोटरी क्लब अजमेर मैट्रो के अध्यक्ष अविनाश बुच एवं सचिव श्रीमती मीना अरोड़ा एवं समाजसेवी सोमरत्न आर्य उपस्थित थे। मेले में मीनू स्कूल चाचियावास, संजय इन्क्लूसिव स्कूल ब्यावर, उम्मीद स्कूल पुष्कर, प्रेसीडेन्सी स्कूल, राजकीय माध्यमिक विद्यालय, राजकीय बलिका स्कूल व शीघ्र हस्तक्षेपण केन्द्र अजमेर सहित लगभग 800 से अधिक बच्चों ने भाग लिया।

बच्चो ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं गैहूँ में से सिक्के ढूँढ़ना, रिंग फेंकना, वन हेण्ड व वन लग एफर्ट, सिक्के जमाना, मेमोरी गेम, बोतल गिराना, दौड़ लगाना आदि में उत्साह से भाग लिया एवं पुरस्कार जीते। कठपुतली के खेल के माध्यम से बच्चों को रोचकता पूर्ण तरीके से बाल अधिकारों के बारे में जानकारी दी गई एवं बच्चों ने विभिन्न रंगों का प्रयोग करते हुऐ रंग-बिरंगी पेन्टिग बनाकर अपनी कला का भरपूर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनी दीर्घा में बच्चों ने संस्था द्वारा संचालित विभिन्न कार्यक्रमों से की जानकारी ली। शारीरीक व मानसिक रूप से

चुनौती वाले वयस्क बच्चों द्वारा बनाये जा रहे लकड़ी व स्टेशनरी के उत्पादों की प्रदर्शनी भी बच्चों के लिए आकर्षण का केन्द्र रही। बच्चों ने संस्था परिसर में लगे झूलों व चकरी का भी आनन्द लिया। मेले में पानीपुरी, भेलपुरी, चाट, आईस्क्रीम, जनरल स्टोर आदि की स्टॉले लगाई गई जिन पर बच्चों ने विभिन्न व्यंजनों का जमकर लुफ्त उठाया। रोटरी क्लब अजमेर मैट्रो के सहयोग से डॉ. पियुष अरोड़ा द्वारा सभी बच्चों की स्वास्थ्य जाँच की गई एवं परामर्ष दिया गया। संस्था मुख्यकारी क्षमा आर कौषिक ने बताया की सम्मिलित बाल मेले का उद्देश्य विशेष आवश्यकता वाले व सामान्य बच्चों को एक साथ सभी गतिविधियों में भागीदार बनाना है, ताकि सामान्य बच्चे भी विशेष बच्चों की समस्याओं को महसूस कर सकें एवं उन्हे समाज की मुख्यधारा में जोड़ने में अपना योगदान दे सके। कार्यक्रम के समापन समारोह में रोटरी क्लब अजमेर की सुश्री संतोष शर्मा, श्रीमति वृतिका शर्मा, कमल शर्मा, एवं समाज सेवी सुनील कुमार जैन ने शिरकत की। समापन समारोह में अतिथियों के द्वारा बाल मेले के इनामी कूपन के ड्रा निकाले गए। संस्था के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी श्री राकेश कुमार कौशिक ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। मेले की गतिविधियों में संस्था के समस्त स्टाफने अपना सहयोग दिया।